

“शिव के जन्म दिन पर क्रोध रूपी अक का फूल बापदादा को अर्पण कर दर्पण बनो,
पवित्र प्रवृत्ति के प्रत्यक्ष प्रमाण द्वारा प्रत्यक्षता को समीप लाओ”

आज सभी बच्चे सम्मुख बैठे हुए और देश विदेश में बैठे हुए चारों ओर के बच्चे बहुत खुशी से बाप का और अपना जन्म दिन मनाने की अनेकानेक बधाईयां, मुबारकें दे रहे हैं। आप सम्मुख बैठे हो और दूर-दूर से साइंस के साधनों द्वारा सभी बच्चे खुशी-खुशी से दिल की मुबारकें दे रहे हैं। आप सभी जो भी यहाँ आये हैं वह बाप का जन्म दिन मनाने आये हैं वा अपना भी मनाने आये हैं? क्योंकि यह जयन्ती विचित्र जयन्ती है। क्यों विचित्र है? बाप और बच्चों की साथ-साथ है। सारे कल्प में ऐसी जयन्ती होती ही नहीं है। सारे कल्प में चक्र लगाके आओ। विचित्र जयन्ती है। तो बापदादा सभी बच्चों से पूछ रहे हैं कि आप सभी बाप को बधाईयां देने आये हो वा बाप से बधाईयां लेने आये हो? बापदादा अकेला कुछ नहीं करता क्योंकि जन्म लेते यज्ञ रचा। तो यज्ञ में ब्राह्मण चाहिए तो आपका भी जन्म बाप के साथ हुआ। इसका यादगार भक्ति में भी शिवरात्रि मनाते हैं तो साथ में सालिग्रामों की भी पूजा होती है। अनेकानेक सालिग्रामों को पूजते हैं। तो यह जयन्ती वन्दरफुल जयन्ती है इसलिए इस जयन्ती को हीरे तुल्य जयन्ती कहा जाता है। तो बापदादा सभी साथी बच्चों को पदम पदमगुणा बांहों के हार के बीच पदम पदमगुणा मुबारक दे रहे हैं। यह भी बाप और बच्चों की अति दिल के प्यार की निशानी है। बापदादा का बच्चों से वायदा है कि साथ रहेंगे, साथ चलेंगे। तो बोलो बच्चों का भी बाप से वायदा है ना! कि संगम पर साथ है, साथ-साथ रहना भी है, विश्व सेवा भी साथ में है। रहना भी है साथ में, उड़ना भी है तो साथ में। तो बोलो, आपका भी वायदा है ना कि साथ रहेंगे, साथ चलेंगे और ब्रह्मा बाप के साथ विश्व पर राज्य करेंगे। वायदा है? पक्का वायदा है? यही विशेषता इस शिव जयन्ती की है।

बापदादा ने अमृतवेले से देखा कि भिन्न-भिन्न स्थान के बच्चे बहुत ही खुशी से मुबारक, बधाईयां भेज रहे थे। आप तो अभी सम्मुख बधाईयां दे भी रहे हो और ले भी रहे हो। देना और लेना साथ में है। कितने भाग्यवान भगवान के बच्चे हैं जो सम्मुख बर्थ डे मना रहे हैं। सभी के चेहरे खुशानुमः खुशी में उड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ बापदादा बच्चों के भाग्य को देख रहे हैं और दूसरे तरफ भक्तों को भी देख रहे हैं। वह अभी तक पुकार रहे हैं आओ और आप साथ में मना रहे हो। बापदादा ने देखा भक्तों की अनुभूति भी कोई कम नहीं है। जो प्रैक्टिकल में आप कर रहे हो उसको यादगार रूप में कितनी अच्छी विधि से यादगार मनाया है। आपने व्रत लिया तो उन्होंने भी व्रत का यादगार बनाया है। वह एक दिन या थोड़े समय के लिए व्रत रखते हैं लेकिन आपने कौन सा व्रत रखा है? सभी ने बाप के आगे व्रत रखने का वचन लिया है ना! आपने बाप से खुशी-खुशी व्रत लिया है कि बाबा हम इस पूरे जन्म के लिए, ब्राह्मण जन्म के लिए व्रत धारण करेंगे, व्रत धारण किया है ना! कौन सा? पवित्रता का। एक जन्म का व्रत लिया है लेकिन एक जन्म पवित्रता का व्रत 21 जन्म चलेगा। वह थोड़े समय के लिए खाने पीने और जागरण का कार्य करते हैं। लेकिन आप अभी के एक जन्म के जागरण से अर्थात् अंधकार से रोशनी में आ गये और यह जागरण भी आपका 21 जन्म चलेगा। सारे विश्व में ऐसा जागरण किया है

जो विश्व में आपके जागरण से विश्व जागती ज्योति रहेगी। कोई भी दुःख अशान्ति का अंधकार नहीं रहेगा। तो बोलो, आपने सारे विश्व को अंधकार से रोशनी में लाया है, यह बेहद का व्रत अच्छा लगता है? मेहनत तो नहीं लगती? सहज है वा मुश्किल है? सहज लगता है! जिसको सहज लगता है वह हाथ उठाओ। कभी-कभी मुश्किल नहीं लगता? कभी लगता है? नहीं। क्योंकि आप जानते हो कि पवित्रता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है इसलिए पवित्रता सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं लेकिन मन-वाणी-कर्म, सम्बन्ध-सम्पर्क में भी पवित्रता। पवित्रता के संस्कार सहज धारण करने वाले हो। तो पवित्रता का तो संकल्प किया है लेकिन अभी समय अनुसार बापदादा समय की वार्निंग तो दे रहे हैं, तो जैसे पवित्रता का व्रत हिम्मत रख अपना स्वधर्म समझ धारण किया है वैसे जो दूसरा भूत है क्रोध, तो आज बापदादा यह पूछते हैं कि एक महाभूत को तो व्रत लेकर वृत्ति बदली लेकिन दूसरा जो भूत है क्रोध का, क्या क्रोध के भूत पर विजय प्राप्त करना यह भी संकल्प किया है या दूसरा विकार है इसीलिए छूट है? क्योंकि क्रोध सबके कनेक्शन में आता है तो आज के दिन, जब भी जन्मदिन मनाते हैं तो एक-दो को गिफ्ट भी देते हैं तो आज बापदादा यह चाहते हैं कि जैसे हिम्मत और बाप की मदद से पहले नम्बर पर मैजारिटी जीत प्राप्त कर चल रहे हैं क्या ऐसे ही क्रोध पर भी जीत हो सकती है? क्योंकि कोई भी भूत परेशान तो करते हैं और क्रोध का भूत दूसरों के कनेक्शन में आता है। सम्पर्क में आता है। अपने मन में भी जब क्रोध आता है तो खुद भी क्रोध से लाचार होते हैं। तो बाप का बर्थ डे मनाने आये हो तो आज बापदादा चाहे भारत वा फॉरेन वाले सभी बच्चों से क्रोध की गिफ्ट लेने चाहते हैं। हो सकता है? हो सकता है? जो समझते हैं कि आज के दिन बाप को गिफ्ट में दे सकते हैं, मन में भी नहीं, स्वप्न में भी नहीं, ऐसा अपने को संकल्प रख हिम्मत से आगे बढ़ने की शक्ति है! है? जो बाप को हिम्मत से संकल्प कर सकते हैं, करेंगे और बाप से गिफ्ट लेंगे। गिफ्ट में दो और गिफ्ट लो। अगर क्रोध पर जीत हो गई तो औरों पर भी करने की हिम्मत आयेगी। तो कौन समझता है कि हम यह गिफ्ट देकर और बाप से गिफ्ट लेंगे? वह हाथ उठाओ। अच्छा, झण्डा हिला रहे हैं। कुमारियां भी, देखना। बापदादा को बच्चों की हिम्मत देख बहुत अच्छा लग रहा है। आप सीन देख रहे हो ना! फोटो निकालो फिर हाथ उठाओ। हाँ फोटो निकालो सभी का। बापदादा इस हिम्मत पर आपको रोज़ अमृतवेले जब मिलन मनाते हो उस समय विशेष अनुभवी आत्मा सहज बनने की बधाई देंगे। क्योंकि इतने सब रहते अपने-अपने स्थान पर रहते भी जब लोग देखेंगे कि यह इतने रहते हैं, इकट्ठे रहते हैं, प्रवृत्ति सम्भालते हैं, घरबार छोड़के नहीं गये हैं, लेकिन पवित्र प्रवृत्ति बनाई है तो क्या हो जायेगा? जो आप सबके अन्दर शुभ भावना है कि आत्माओं की क्यु लग जाए वह क्यु आपको दिखाई देगी। क्योंकि क्रोध प्रत्यक्ष दिखाई देता है। जब प्रैक्टिकल देखेंगे कि यह तो सिर्फ पवित्रता कहते नहीं लेकिन पवित्र रह करके दिखाते हैं, प्रत्यक्षता चाहते हो तो यह प्रत्यक्ष प्रमाण है इससे सभी आकर्षित होके स्वतः ही आयेंगे। लेकिन सुनायें? आगे सुनायें? क्रोध आने का कारण मैजारिटी देखा गया है कि कहाँ न कहाँ ईर्ष्या और साथ में कुछ भी देख करके चलते हुए वेस्ट थॉट्स का बीज भी क्रोध को लाता है क्योंकि वेस्ट थॉट्स है बीज, इस बीज से क्रोध भी उत्पन्न होता है और इसका एक शब्द निमित्त बनता है, उस एक शब्द के बीज को अगर खत्म किया तो सहज हो जायेगा। वह एक शब्द है 'क्यों', यह क्यों? यह क्यों

हुआ? यह क्यों किया? यह क्यों करते हैं? इस 'क्यों' शब्द का बड़ी क्यू है। और देखो क्यू अक्षर इंगलिश में लिखो तो कितना मुश्किल लिखा जाता है। और 'ए' लिखो, कितना सहज है। तो बापदादा आज यही चाहते हैं कि इस क्यों शब्द का क्यू खत्म करो। तो जो आप सबकी आश है कि अभी जल्दी-जल्दी बाप की प्रत्यक्षता हो, हर एक की दिल में बाप के स्नेह का फ्लैग, झण्डा लहरावे और दिल गीत गाये, दिल में गीत गाये हमारा बाबा आ गया। मीठा बाबा आ गया। यही चाहते हो ना! कि जल्दी जल्दी प्रत्यक्षता का झण्डा सबके दिल में लहराये। तो इसका कारण क्यों, क्या, कैसे होगा, यह कै-कै की भाषा खत्म करके कै बोलना है तो कमाल बोलो। कै-कै नहीं करो। जब बापदादा ने बच्चों का बोर्डिंग खोला, पाकिस्तान की बात है, आदि में तो जगत अम्बा बच्चों को यही कहती थी तो कै-कै की भाषा नहीं करो। कै-कै ज्यादा कौन करता है? वह अच्छा लगता है? तो अभी क्यों क्यों की क्यू नहीं लगाओ। हाँ जी, अच्छा जी, बहुत अच्छा, हम मिलके करेंगे, उड़ेंगे ऐसे बोल बोलो। हो सकता है भाषा परिवर्तन? कै-कै नहीं, यह क्यू छोड़ दो तो वह क्यू लगेगी।

तो सभी ने बापदादा को, क्योंकि शिव के ऊपर अक के फूल ही चढ़ते हैं तो आज शिवरात्रि मना रहे हो, शिव का जन्म दिन मना रहे हो तो यह क्रोध का अक का फूल बापदादा को अर्पण कर दो तो आप दर्पण बन जायेंगे। पसन्द है ना! पसन्द है? अच्छा। तो अभी होली पर बापदादा आयेंगे, उसमें रिजल्ट लेंगे। थक नहीं जाना। हुआ नहीं, निश्चयबुद्धि होके करो, करना ही है। और हाथ उठाया, हाथ उठाना अर्थात् बाप को दे दिया। दिया ना! फिर हाथ उठाओ। देख रही हैं दादियां, देख रही हो? ताली बजाओ। हिम्मत कभी भी नहीं हारना। अगर थोड़ा भी कम हुआ तो आगे के लिए हिम्मत रखके छोड़ नहीं देना। बढ़ते रहना। बापदादा कम्बाइन्ड है, कहते हो ना, साथ है नहीं कहते हो, कम्बाइन्ड है। तो ऐसे समय पर अगर कुछ भी हो तो बापदादा कम्बाइन्ड है उसको सामने लाके फिर अर्पण कर दो। लेकिन बापदादा चाहता है कि सभी बच्चे नम्बरवन हो, दी हुई चीज़ अमानत हो गई। हाथ उठाया अर्थात् दिया तो अभी आपका नहीं हुआ। अमानत है। तो अगर संकल्प में भी आये तो समझना अमानत में ख्यानत, यह बुरा माना जाता है। दी हुई चीज़ कभी वापिस नहीं ली जाती क्योंकि मेरी नहीं।

तो आज बापदादा चारों ओर के जो स्क्रीन में भी देख रहे हैं, वहाँ बैठे सब खुशी-खुशी से देख रहे हैं और संकल्प भी कर रहे हैं, तो मधुबन या सभी सेन्टर क्या बन जायेंगे? क्या बन जायेंगे? सभी सेन्टर्स निर्विघ्न भव के वरदानी बन जायेंगे। पसन्द है ना! पसन्द है? क्योंकि बापदादा चाहते हैं कि अभी अचानक सरकमस्टांश ऐसे बनें जो दुःख और अशान्ति के कारण ऐसे बनें जो आप सबको आत्माओं पर रहम आयेगा, क्योंकि आप पूर्वज हो, पूज्य भी हो और पूर्वज भी हो। तो पूर्वज कोई भी आत्मा का दुःख या डिस्ट्रबेन्स देख नहीं सकते, जिससे प्यार होता है, रहम होता है उसका दुःख देख नहीं सकता। तो बाप समझते हैं कि समय आपको परिवर्तन करे, इससे पहले आप पुरुषार्थ के प्राप्ति की प्रालब्ध अभी से अनुभव करो। क्योंकि आपका सिखाने वाला समय नहीं है, समय आपका टीचर नहीं है। तो होली पर हर एक अपनी रिजल्ट ज्यादा लम्बा नहीं लिखना, पढ़ने की भी फुर्सत नहीं होती। लेकिन बापदादा ने पहले भी सुनाया कि जैसे आपको वरदान की चिटकी मिलती है ना, कितनी छोटी होती है, उसमें ओ.के. लिखो। ओ.के. शब्द लिखना। अगर आपमें पुरुषार्थ करते कुछ भी हुआ

हो तो ओ.के. के बीच में लाइन लगाना। इज़ी है ना! इतना कागज वेस्ट नहीं करना। अगर ज्यादा बार हो, एक बार दो बार तीन बार लाइन लगाते जाना। और होली के पहले मधुबन में भेज देना। भले इकट्टे करके भेजो, टीचर भेजे। फिर बापदादा के पास रिजल्ट पहुंच जायेगी। इसमें नम्बरवन कौन? फिर बापदादा आपको पदम पदमगुणा दिल के स्नेह की सौगात देंगे। अच्छा। डबल फारेनर्स है ना! हाथ उठाओ। नम्बर लेंगे ना! देखेंगे फॉरेन वाले नम्बर लेते हैं या भारत वाले। अच्छा है। बापदादा तो सभी को उम्मीदवार नहीं देखते लेकिन बाप के आशाओं को पूर्ण करने वाले बाप के आशाओं के दीपक के रूप में देखने चाहते हैं।

मधुबन क्या करेगा? मधुबन वाले हाथ उठाओ। नीचे ऊपर सब मधुबन। ऊपर वाले भी हाथ लम्बा उठाओ, हिलाओ। अच्छा। मधुबन को नम्बर तो लेना चाहिए। लेना चाहिए ना! लेना चाहिए? क्योंकि मधुबन को कापी सभी बहुत जल्दी करते हैं। तो अच्छा है। अच्छा - इस बारी जो पहले बारी आये हैं वह उठो।

बहुत हैं। बापदादा पहले बारी आने वालों को चांस देते हैं कि फास्ट जाओ और फर्स्ट आओ। अच्छे हैं। हिम्मत वाले हैं। और बाप कम्बाइन्ड है, कम्बाइन्ड शक्ति से जो चाहो वह कर सकते हो। कुछ भी आवे ना तो बाप को दे देना। आप यूज नहीं करना। जैसे छोटे बच्चे होते हैं ना, छोटे बच्चों को देखा है ना। कोई भी चीज़ अगर अच्छी नहीं लगती है तो क्या करते हैं, मम्मी-पापा यह लो, हमको नहीं चाहिए। तो बाप मददगार है और सदा रहेंगे। तो पहले बारी आने वालों को पहले बारी आने की पदम पदमगुणा मुबारक है, मुबारक है, मुबारक है। आपकी तालियां विदेश-देश चारों ओर देख रही हैं। साइंस वालों की भी कमाल है ना! बापदादा निमित्त बनने वालों को भी मुबारक देते हैं जो इस समय जब आपको आवश्यकता है इन साधनों की, तो इस समय नये से नये साधन निकाल रहे हैं। भक्तों पर भी बापदादा को तरस बहुत पड़ता है। बहुत मेहनत करते हैं। आप मोहब्बत में रहते और वह मेहनत में रहते, आप मेहनत नहीं करना। मोहब्बत में ही रहना। अच्छा। बैठ जाओ।

ओम् शान्ति का मन्त्र शस्त्र बनाके यूज करो। जिसके पास शस्त्र होते हैं ना वह अपने को हिम्मत वाले समझते हैं। जैसे मिलेट्री वाले हिम्मत रखते हैं। अच्छा।

चारों ओर के कम्बाइन्ड रहने वाले देख भी रहे हैं, सुन भी रहे हैं लेकिन सभी जो नहीं भी सुन रहे हैं, वह मुरली द्वारा तो सुनेंगे ही। तो चारों ओर के बाप के स्नेही सहयोगी मीठे-मीठे, प्यारे-प्यारे बच्चों को बापदादा पदम पदमगुणा बधाईयां भी दे रहे हैं, मुबारक भी दे रहे हैं और साथ-साथ प्रत्यक्षता का झण्डा जल्दी से जल्दी लहराने का संकल्प भी दे रहे हैं। समय पर नहीं रहो, समय को टीचर नहीं बनाना, जब बाप; बाप, शिक्षक और सतगुरु है तो जैसे आपकी जगत अम्बा ने किया, दो शब्द में नम्बर ले लिया। बाप का कहना और जगत अम्बा का करना - ऐसे तीव्र पुरुषार्थ किया और नम्बर लिया। आप सब भी मानते हो ना, तो आप भी फालो मदर जगत अम्बा। अच्छा। सबको यादप्यार और बहुत-बहुत दिल की दुआयें स्वीकार हो। साथ-साथ बाप बच्चों को मालिकपन में देख नमस्ते कर रहे हैं।

सेवा का टर्न भोपाल ज़ोन का है:- अच्छा, बहुत अच्छा। भोपाल ज़ोन नाम ही है भूपाल, तो भू किसको कहते हैं? धरनी को। उसको पालने वाले। आप धरनी के सितारे बन आत्माओं को उड़ाने वाले, चलाने वाले

नहीं, उड़ाने वाले। सबसे सहज साधन है उड़ना और उड़ाना। तो भोपाल निवासी खुद भी उड़ने वाले और औरों को भी उड़ाने वाले। ठीक है, ऐसे है? कि कोशिश कर रहे हो? नहीं, हैं और रहेंगे। बापदादा को हर ज़ोन पर जिगरी स्नेह है। अभी बापदादा ने पहले भी कहा है कि नम्बरवन ज़ोन वह बनेगा जिसमें वारिस बच्चे अधिक हों। साधारण तो आते रहेंगे लेकिन वारिस क्वालिटी जिस ज़ोन में वेरीफाय किये हुए, ऐसे नहीं आप लिस्ट लिख दो लेकिन वेरीफाय करेंगे, तो जिस ज़ोन में वारिस क्वालिटी ज्यादा में ज्यादा होगी, उसको नम्बर देंगे। प्रोग्रामस भी सभी कर रहे हैं और अभी भी कर रहे हैं, बापदादा के पास सब समाचार आता है। क्योंकि वारिस क्वालिटी अपने राज्य में राज्य अधिकारी बनेंगे। अगर राज्य अधिकारी तैयार हो गये, सब मिलाके तो राज्य में आने में कोई देरी नहीं लगेगी। तो भोपाल नम्बर लेंगे ना! जो खुद वारिस है, वह फोर्स का कोर्स कराके दूसरों को भी वारिस जल्दी से जल्दी बना सकता। साधारण कोर्स नहीं, फोर्स का कोर्स। जब आरम्भ किया था, बापदादा ने सिन्ध में आरम्भ किया तो सिन्धी में कहते थे, उस समय झटपट कुल्फी एक पैसा। तो आदि का बोल अभी प्रैक्टिकल होना है। समय को भी वरदान है सिर्फ आप थोड़ा दृढ़ संकल्प करो उड़ाना ही है, चलाना है नहीं, उड़ाना है। तो भोपाल ने चांस लिया यह तो बहुत अच्छा किया। अभी नम्बर लेना। अच्छा।

अच्छा बापदादा ने सभी ज़ोन को वारिस और माइक, प्रभावशाली माइक जिनका अनुभव सुन प्रेरणा आ जाए कि हम भी बनें, किसी को भी सैटिस्फाय कर सकें। सभी ज़ोन लिस्ट भेजना। तो आज बापदादा ने देखा कि देहली वालों ने लिस्ट भेजी है। बापदादा मुबारक दे रहे हैं। तो सभी ज़ोन भेजेंगे तो आपको भी रिजल्ट सुनायेंगे कितने वारिस तैयार हुए हैं। चेकिंग करायेंगे, ऐसे नहीं लिस्ट आई तो मान जायेंगे। गुप्त चेकिंग करायेंगे। तो अच्छा आदि में भी मुबारक और बधाईयां मिली, अभी भी बापदादा एक-एक बच्चे का दिल में नाम ले पदम पदमगुणा मुबारक दे रहे हैं। बाप के पास तो सभी बच्चों का चित्र वतन में इमर्ज है। तो बापदादा ने बच्चों का बर्थ डे मनाया और बच्चों ने बाप का बर्थ डे मनाया, दोनों को मुबारक। अच्छा।

लच्छू दादी से:- अच्छा करती है, सजाती अच्छा है।

दादियों से:- स्नेह में तो है ही। आप स्नेह में नहीं रहेंगे तो वायब्रेशन कैसे मिलेंगे।

मोहिनी बहन से:- ठीक है, ठीक ही रहेंगी। ठीक हो जायेंगी। संकल्प में ताकत है। संकल्प को पूरा कर रही हो। बाप की मदद भी है। बाप की मदद है लेकिन प्यार है ना तो औरों की भी मदद है। अच्छा है।

परदादी से:- आप सालिग्राम को बाप के साथ जन्म की मुबारक हो। मुबारक है, मुबारक है।

शान्तामणि दादी से:- प्यार है ना! बाप से प्यार है। सभी मुबारक देंगे। बहुत अच्छा।

रमेश भाई से:- अच्छा है आगे-आगे बढ़ते जा रहे हैं। बस लक्ष्य रखा है तो सभी एक-दो को सहयोगी बन आगे उड़ते जायेंगे। अभी उड़ना और उड़ाना है। चलने का टाइम पूरा हुआ। जितने हल्के उतने उड़ेंगे। और औरों को भी उड़ायेंगे। अभी सीजन है उड़ाने की। बहुत अच्छा।

(निर्वैर भाई ने सभी की याद दी) सभी को याद देना। जिन्होंने भी यह कार्ड आदि भेजे हैं उन सभी को यादप्यार। वैसे तो देखा होगा लेकिन फिर भी खास यादप्यार भेजना और यही लिखना कि अभी सीजन है उड़ने और उड़ाने की, इसीलिए डबल लाइट।

भूपाल भाई से:- चारों तरफ सब ठीक चल रहा है ना!

(अंकल आंटी और मुरली दादा की याद दी) बापदादा के पास उन्हों का आया है। दोनों ही निमित्त बने हुए हैं, अपने-अपने कार्य के हिसाब से दोनों ही विशेष हैं।

मोहिनी बहन के डाक्टर से:- सिर्फ सेवा नहीं करना लेकिन अपने बाप के प्यार की हिम्मत, उमंग यह भी देना। डबल डाक्टर हो ना तो डबल काम करना।

बापदादा ने अपने हस्तों से झण्डा फहराया:- आज शिव जयन्ती पर आप और बाप के जन्म दिवस का यादगार यह झण्डा लहराया। आप सबका भी झण्डा लहराया, सालिग्राम हो ना। एक-एक सालिग्राम बाप के साथ के हैं। जैसे बाप की पूजा होती वैसे सालिग्राम की भी होती है। उन सभी की निशानी बिन्दू लगाते हैं। तो शिवरात्रि पर विशेष बिन्दू की महिमा होती है। तो आज तो यह झण्डा लहराया लेकिन वह दिन जल्दी से जल्दी आना है जो सबके बाप के स्नेह का झण्डा लहरायेगा। अभी बाप ने इशारा आज दिया वह आप करेंगे ना, तो प्रत्यक्षता जल्दी से जल्दी होगी। आया कि आया, आपके सामने भी यह दृश्य, सभी के मुख से यह आवाज निकले हमारा बाबा आ गया। अभी तीव्र पुरुषार्थ करके यह समय जल्दी से जल्दी समीप लाना ही है, आना ही है, होना ही है और सबको बोलना ही है। अच्छा -

आप सभी को बापदादा विशेष स्नेह का हार पहना रहे हैं। बढ़ते चलो, उड़ते चलो, उड़ाते चलो। अच्छा।

इन्टरनेशनल कुमारीज रिट्रीट:- कुमारी को पूजते हैं क्योंकि कुमारी शुद्ध है, पवित्र है। तो पवित्रता की पूजा होती है। तो आप अपने को ऐसी पूज्य आत्मा समझती हो, समझती हो? भाषा नहीं समझती हैं। तो कुमारी वह है जो औरों को भी पवित्र रहने की शिक्षा दे करके उनको भी पवित्र बनाये इसलिए आगे बढ़ते रहना, थकना नहीं, किसको देखना नहीं। बाप को फॉलो करो और फॉलो करके बाप के द्वारा अनेक शक्तियों का वरदान लेके आत्माओं को उड़ाओ क्योंकि कुमारियां हल्की हैं, बोझ नहीं है तो औरों को भी ऐसे उड़ाते चलो। बापदादा को आप सबको देख के खुशी है कि एक-एक कुमारी 100 ब्राह्मणों से उत्तम है। इतना अपना स्वमान समझो। बाकी अच्छा किया, ट्रेनिंग की, अभी तैयार होके औरों को ट्रेनिंग कराओ, यह रिजल्ट निकालो। समाचार आयेगा, समाचार देती रहना और यहाँ बाप के पास पहुंच जायेगा। अच्छा है। हिम्मत है, अभी उमंग-उत्साह से उड़ो। अच्छा।

74वीं त्रिमूर्ति शिव जयन्ती की मधुबन बेहद घर से सर्व दादियों सहित हम सभी मधुबन निवासी भाई-बहनों की बहुत-बहुत दिल से हार्दिक बधाईयाँ स्वीकार करना जी।

प्यारे बापदादा के साथ हम सबने खूब खुशियाँ मनाई। बापदादा ने अपने हस्तों से झण्डा फहराया। बर्थ डे की गिफ्टी ली और दी। हम सब बापदादा की आशाओं को पूरा कर होली पर अपनी-अपनी रिजल्ट अवश्य देंगे। कै-कै की भाषा को छोड़ क्रोध मुक्त बन सम्पूर्ण पवित्रता का प्रत्यक्ष प्रमाण देंगे। इसी शुभ संकल्प के साथ सबको कोटि-कोटि बधाईयाँ।